



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 307]
No. 307]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 25, 1979/श्रावण 3, 1901
NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 25, 1979/SRAVANA 3, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

धर्म मंत्रालय

प्रादेश

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1979

का० धा० 425(अ) :—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में भारतीय रिजर्व बैंक से संबंधित नियोजकों और उनके श्रेणी-2 कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और उक्त विवाद में राष्ट्रीय महत्व का प्रश्न अन्तर्भूत है और उक्त विवाद का स्वरूप ऐसा है कि जिसमें एक से अधिक राज्य में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के औद्योगिक प्रविष्टानों का हिस्सा शामिल होने या उनके प्रभावित होने की संभावना है;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त विवाद में राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण द्वारा न्यायनिर्णयन किया जाना चाहिए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार—

- (1) औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7ख द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसका मुख्यालय बम्बई में होगा और श्री चित्तामन तुकाराम वाघे को इसका पीठासीन अधिकारी नियुक्त करती है; और
- (2) उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1-ए) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त औद्योगिक विवाद को उक्त राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

प्रसूची

श्रेणी-2 कर्मचारियों से संबंधित विवादग्रस्त विशेष मामलों का निष्पत्ति

1. मूल वेतनमान और वेतनमान में समायोजन का ढंगका।
2. महंगाई भत्ता।
3. विभिन्न ग्रुपों में श्रेणी-2 कर्मचारियों का वर्गीकरण।
4. विशेष वेतन, अग्रिम वेतन-वृद्धि, वृद्धिरोध वेतन-वृद्धि और मान-देय।
5. परिवार भत्ता।
6. मकान किराया भत्ता।
7. यात्रा भत्ता, जिसमें विराम भत्ता शामिल है।
8. समायोजन कार्य के लिए अतिरिक्त मजदूरी।
9. स्थानापन्न भत्ता।
10. शिफ्ट भत्ता।
11. स्थायीकरण।
12. पदोन्नति।
13. रोजगार समाप्त करने और अन्य अनुशासनिक कार्यवाही करने के लिए प्रक्रिया।
14. निवर्तन भत्ता।
15. निवर्तन भुविधान, जैसा भविष्य विधि, उत्पन्न और वजन।
16. छुट्टी प्रकरण, मात्रा आदि।
17. छुट्टी किराया सुविधा।
18. चिकित्सा सुविधा।
19. खाद्यान्न दुकान सुविधा।
20. कल्याण सुविधाएं, जैसे केन्द्रीय, खेत-बूंद और मनोरंजन, अवकाश गृह आदि।

SCHEDULE

Specific matters in dispute for determination pertaining to Class II workmen.

1. Scales of basic pay and method of adjustment in scales of pay.
2. Dearness Allowance.
3. Categorisation of Class II employees in various groups.
4. Special pay, advance increment, stagnation increment and honorarium.
5. Family Allowance.
6. House rent allowance.
7. Travelling allowance including allowance.
8. Extra wages for overtime work.
9. Officiating allowance.
10. Shift allowance.
11. Confirmation.
12. Promotion.
13. Procedure for termination of employment and taking other disciplinary action.
14. Age of superannuation.
15. Superannuation benefits, such as provident fund, gratuity and pension.
16. Leave-type, quantum, etc.
17. Leave Fare Concession.
18. Medical facilities.
19. Grain shop facilities.
20. Welfare facilities like canteen, sports and recreation, holiday homes etc.
21. Compulsory insurance of employees in Cash Department.
22. Security measures in respect of employees in Cash Department.
23. Housing Loan, festival advance and marriage advance.
24. Discontinuance of guarantee fund in respect of employees in Cash Department.
25. Desirability of discontinuance/amendment of Reserve Bank of India (Staff) Regulations.
26. Rates of interest on housing loans and others advances granted to employees ;
27. Grievance procedure.
28. Internal machinery for resolving industrial disputes.
29. Wasteful and restrictive practices.
30. Work allotment to employees in exigencies.
31. Work procedure and work norm.
32. Mechanisation and computerisation.
33. Need for interim relief.
34. Any other matter connected with, or arising out of the foregoing matters.
35. Date of effect of the Award of National Tribunal.

[No. L-12025/21/79-D. II(A)]

M. SETH, Jt. Secy.

21. रोकड़ विभाग के कर्मचारियों का अनिवार्य बीमा।
22. रोकड़ विभाग के कर्मचारियों के लिए सुरक्षा उपाय।
23. आवास ऋण, त्यौहार पेशगी और विवाह पेशगी।
24. रोकड़ विभाग के कर्मचारियों के संबंध में गारन्टी फंड को बंद करना।
25. भारतीय रिजर्व बैंक (कर्मचारी) विनियम को समान/समोपन करने की वांछनीयता।
26. कर्मचारियों को विग गग, आवास ऋणों और अन्य पेशगियों पर व्याज दर।
27. शिकायत प्रक्रिया।
28. औद्योगिक विवादों को सुलझाने के लिए आंतरिक मशीनरी।
29. खर्चीली और प्रतिबंधक पद्धति।
30. अत्यावश्यकता में कर्मचारियों को कार्य बांटना।
31. कार्य प्रक्रिया और कार्य मानदंड।
32. यंत्रीकरण और संगणनीकरण।
33. अंतरिम सहायता की आवश्यकता।
34. पूर्वाक्त मामलों से संबंधित या उनसे उत्पन्न होने वाले मामले।
35. राष्ट्रीय अधिकरण के पचाट को लागू करने की तारीख।

[संख्या एल-12025/21/79-डी० 2(ए)]

म० सेठ, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 25th July, 1979

NOTIFICATION

S.O. 425(E).—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Reserve Bank of India and their Class II workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the said dispute involves a question of national importance and is also of such a nature that industrial establishments of the Reserve Bank of India situated in more than one State are likely to be interested in, or affected by, such dispute;

And whereas the Central Government is of opinion that the said dispute should be adjudicated by a National Industrial Tribunal;

Now, therefore, the Central Government—

- (i) in exercise of the powers conferred by Section 7B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), hereby constitutes a National Industrial Tribunal with headquarters at Bombay and appoints Shri Chintaman Tukaram Dighe, as its Presiding Officer; and
- (ii) in exercise of the powers conferred by Sub-section (1A) of Section 10 of the said Act, hereby refers the said industrial dispute to the said National Industrial Tribunal for adjudication.